Class 10 Hindi Sparsh Chapter 12: अब कहाँ दूसरे के दुख से दुखी होने वाले (Ab Kahan Doosre Ke Dukh Se Dukhi Hone Wale) – Notes, प्रश्न-उत्तर और MCQs (2026-27)

ये Ab Kahan Dusre Ke Dukh Se Dukhi Hone Wale Class 10 notes (अब कहाँ दूसरे के दुख से दुखी होने वाले) CBSE कक्षा 10 हिंदी स्पर्श भाग 2 के बारहवें पाठ को पूरी तरह कवर करते हैं: निदा फ़ाज़ली का परिचय, सभी प्रसंग, माँ की सीख, प्रकृति-असंतुलन का संदेश, NCERT प्रश्न-उत्तर, 10 MCQs और मुफ़्त PDF।

नीचे दी गई विषय-सूची से सीधे अपने ज़रूरी भाग पर जाएँ, या पूरे पाठ की तैयारी के लिए शुरू से अंत तक पढ़ें।

विषय-सूची (Table of Contents)

- पाठ परिचय (Chapter Overview)
- मुख्य बिंदु और व्याख्या (Important Points)
- प्रसंग और संदेश
- प्रकृति-असंतुलन के परिणाम
- पहले और आज का मनुष्य
- शब्दार्थ (Word Meanings)
- लघु उत्तरीय प्रश्न (Short Answer Questions)
- दीर्घ उत्तरीय प्रश्न (Long Answer Questions)
- बहुविकल्पीय प्रश्न (MCQs with Answers)
- त्वरित पुनरावृत्ति (Quick Revision)
- सारांश (Summary)
- परीक्षा टिप्स (Exam Tips)
- अक्सर पूछे जाने वाले प्रश्न (FAQs)
- निष्कर्ष (Conclusion)

सभी पाठों के नोट्स चाहिए? Nextoper पर पूरे Class 10 Hindi notes देखें – क्षितिज, कृतिका, स्पर्श और संचयन, पाठ-वार।

पाठ परिचय (Chapter Overview)

निदा फ़ाज़ली (1938–2016) का जन्म दिल्ली में हुआ और बचपन ग्वालियर में बीता। वे उर्दू के प्रसिद्ध शायर, गीतकार और गद्यकार थे। प्रमुख रचनाएँ: लफ़्ज़ों का पुल (पहला काव्य-संग्रह), खोया हुआ सा कुछ (साहित्य अकादमी पुरस्कार), मोर नाच, आँख और ख़्वाब के दरमियाँ; आत्मकथा 'दीवारों के बीच' और 'दीवारों के बाहर'। उन्हें पद्मश्री से भी सम्मानित किया गया।

इस पाठ में लेखक बताते हैं कि यह धरती केवल मनुष्य की नहीं, सभी जीव-जंतुओं, पशु-पक्षियों, पेड़-पौधों की है। पहले लोग दूसरे जीवों के दुख से भी दुखी होते थे, पर आज मनुष्य स्वार्थी हो गया है और प्रकृति पर अधिकार जमाकर दूसरों को बेघर कर रहा है। इसके परिणामस्वरूप प्रकृति का संतुलन बिगड़ रहा है।

मुख्य बिंदु और व्याख्या (Important Points)

बादशाह सुलेमान और चींटियाँ

- बाइबिल के सोलोमन, जिन्हें कुरान में सुलेमान कहा गया है, ईसा से 1025 वर्ष पूर्व के बादशाह थे।
- वे मनुष्यों के साथ पशु-पक्षियों की भाषा भी समझते थे।
- एक बार उनकी सेना के रास्ते में चींटियाँ आईं और घोड़ों की टाप से डरकर बिलों में जाने लगीं।
- सुलेमान ने उन्हें आश्वासन दिया कि वे सबके रक्षक हैं, किसी के लिए मुसीबत नहीं; फिर सेना का रास्ता बदल दिया।

सिंधी कवि शेख अयाज़ के पिता

- शेख अयाज़ के पिता एक दिन कुएँ से नहाकर लौटे और भोजन करने बैठे।
- उन्होंने बाजू पर एक काला च्योंटा रेंगता देखा, तो भोजन छोड़कर उठ गए।
- उन्होंने कहा कि मैंने एक घर वाले को बेघर कर दिया है; वे उसे वापस कुएँ पर छोड़ने चले गए।

नूह का पश्चाताप

- बाइबिल और अन्य ग्रंथों में नूह नाम के पैगंबर का ज़िक्र है, जिनका असली नाम लशकर था।
- एक बार उन्होंने एक घायल कुत्ते को "दूर हो जा, गंदे कुत्ते" कहकर दुत्कार दिया।
- कुत्ते ने जवाब दिया कि न मैं अपनी मर्ज़ी से कुत्ता हूँ, न तुम अपनी पसंद से इंसान; बनाने वाला तो एक ही है।
- यह सुनकर नूह जीवन भर रोते रहे; इसी रोने (नौहा) के कारण उनका नाम नूह पड़ा।

प्रकृति पर मनुष्य का कब्ज़ा

- धरती सबकी थी, पर मनुष्य ने बँटवारा कर दीवारें खड़ी कर दीं; अब जंगल, नदियाँ, पहाड़ और समुद्र सिमटते जा रहे हैं।
- मुंबई के वर्सोवा में पहले जंगल था; अब समुद्र को पीछे धकेलकर बड़ी-बड़ी इमारतें बन गई हैं।
- पक्षी और जानवर बेघर हो गए; गर्मी, बाढ़, भूकंप, तूफ़ान और नई बीमारियाँ बढ़ गई हैं।
- एक बार गुस्से में समुद्र ने तीन जहाज़ों को उठाकर अलग-अलग जगह फेंक दिया – एक वर्ली के समुद्र किनारे, एक बांद्रा में कार्टर रोड पर और एक गेटवे ऑफ़ इंडिया पर।

माँ की सीख और कबूतर प्रसंग

- लेखक की माँ कहती थीं: सूरज ढलने पर पेड़ों से पत्ते मत तोड़ो, वे रोते हैं।
- दीया-बत्ती के समय फूल मत तोड़ो, वे बद्दुआ देते हैं; दरिया पर जाओ तो उसे सलाम करो; कबूतरों को मत सताओ, वे हज़रत मुहम्मद को अज़ीज़ हैं; मुर्गे को परेशान मत करो, वह मुल्ला से पहले अज़ान देता है।
- ग्वालियर में कबूतर के एक अंडे के टूट जाने पर माँ ने प्रायश्चित्त में दिन भर रोज़ा रखा और नमाज़ पढ़कर माफ़ी माँगी।
- मुंबई के फ़्लैट में कबूतरों ने घोंसला बनाया; उनके कारण परेशान होकर लेखक की पत्नी ने खिड़की पर जाली लगवा दी।
- अब कबूतर बाहर उदास बैठे रहते हैं; पर अब न सुलेमान हैं, न लेखक की माँ, जो उनका दुख समझें।

प्रसंग और संदेश

सबसे महत्वपूर्ण परीक्षा बिंदु।

प्रसंग	संदेश
सुलेमान और चींटियाँ	शासक सबका रक्षक हो; छोटे जीवों का भी सम्मान
शेख अयाज़ के पिता	किसी जीव को बेघर करना पाप
नूह और कुत्ता	सब ईश्वर की रचना; किसी का अपमान न करें
वर्सोवा, समुद्र और जहाज़	प्रकृति से छेड़छाड़ का दुष्परिणाम
माँ की सीख	प्रकृति और जीवों के प्रति संवेदना
कबूतरों पर जाली	आज के मनुष्य की संवेदनहीनता

प्रकृति-असंतुलन के परिणाम

विचारात्मक प्रश्नों के लिए।

- बढ़ती गर्मी और मौसम चक्र में बदलाव
- बाढ़, भूकंप, तूफ़ान जैसी आपदाएँ
- पशु-पक्षियों का बेघर होना

- नई-नई बीमारियाँ
- समुद्र और जंगलों का सिकुड़ना

पहले और आज का मनुष्य

पहले	आज
दूसरे जीवों के दुख से दुखी	स्वार्थी, संवेदनहीन
धरती को सबका घर मानता	धरती पर अपना कब्ज़ा
प्रकृति का सम्मान (माँ की सीख)	प्रकृति का दोहन
जीवों को आश्रय	जीवों को बेघर (जाली, इमारतें)

शब्दार्थ (Word Meanings)

शब्द	अर्थ
हाकिम	राजा, शासक
लश्कर	सेना
लकब	पद सूचक नाम
अज़ीज़	प्रिय
नौहा	रोना, विलाप
सिमटना	छोटा होना
प्रकोप	क्रोध
बस्तियाँ	आबादी
ज़लज़ले	भूकंप
सैलाब	बाढ़
बेदर्द	निर्दयी
डेरा	अस्थायी पड़ाव
बद्दुआ	शाप
अज़ान	नमाज़ के लिए पुकार
रोज़ा	उपवास
पैगंबर	ईश्वर का दूत
प्रायश्चित्त	पश्चाताप
अज़ीज़	प्यारा
दरिया	नदी

लघु उत्तरीय प्रश्न (Short Answer Questions)

प्रश्न 1. बड़े-बड़े बिल्डर समुद्र को पीछे क्यों धकेल रहे थे?

उत्तर: बड़े-बड़े बिल्डर अधिक से अधिक इमारतें बनाकर मुनाफ़ा कमाने के लिए समुद्र को पीछे धकेलकर उसकी ज़मीन पर कब्ज़ा कर रहे थे।

प्रश्न 2. लेखक का घर किस शहर में था?

उत्तर: लेखक का घर मुंबई के वर्सोवा क्षेत्र में था, जहाँ पहले जंगल हुआ करता था।

प्रश्न 3. जीवन कैसे घरों में सिमटने लगा है?

उत्तर: बढ़ती आबादी और शहरीकरण के कारण लोग बड़े घरों और खुले आँगनों के बजाय छोटे-छोटे फ़्लैटों में रहने लगे हैं, जिससे जीवन डिब्बे जैसे घरों में सिमट गया है।

प्रश्न 4. कबूतर परेशानी में इधर-उधर क्यों फड़फड़ा रहे थे?

उत्तर: लेखक की पत्नी ने खिड़की पर जाली लगवा दी थी, जिससे कबूतर अपने घोंसले और अंडों तक नहीं पहुँच पा रहे थे; इसलिए वे परेशानी में फड़फड़ा रहे थे।

प्रश्न 5. अरब में लशकर को नूह के नाम से क्यों याद करते हैं?

उत्तर: लशकर ने एक घायल कुत्ते को दुत्कार दिया था; कुत्ते की बात सुनकर वे जीवन भर रोते रहे। इसी विलाप (नौहा) के कारण उन्हें नूह कहा गया।

प्रश्न 6. लेखक की माँ किस समय पेड़ों के पत्ते तोड़ने के लिए मना करती थीं और क्यों?

उत्तर: लेखक की माँ सूरज ढलने के बाद पेड़ों के पत्ते तोड़ने से मना करती थीं, क्योंकि उनका मानना था कि उस समय पेड़ रोते हैं।

प्रश्न 7. प्रकृति में आए असंतुलन का क्या परिणाम हुआ?

उत्तर: प्रकृति के असंतुलन से गर्मी बढ़ी, बेवक्त वर्षा, बाढ़, भूकंप, तूफ़ान और नई-नई बीमारियाँ बढ़ गईं।

प्रश्न 8. डेरा डालने से आप क्या समझते हैं? स्पष्ट कीजिए।

उत्तर: डेरा डालने का अर्थ है कहीं अस्थायी रूप से ठहरना या बस जाना। पाठ में कबूतरों ने लेखक के फ़्लैट में घोंसला बनाकर डेरा डाल लिया था।

दीर्घ उत्तरीय प्रश्न (Long Answer Questions)

प्रश्न 1. 'अब कहाँ दूसरे के दुख से दुखी होने वाले' पाठ का मूल संदेश स्पष्ट कीजिए।

- धरती सभी जीवों की है, केवल मनुष्य की नहीं।
- पहले लोग दूसरे जीवों के दुख से भी दुखी होते थे (सुलेमान, शेख अयाज़ के पिता, नूह, लेखक की माँ)।
- आज मनुष्य स्वार्थी होकर प्रकृति पर कब्ज़ा कर रहा है।
- इससे पशु-पक्षी बेघर हो रहे हैं और प्रकृति का संतुलन बिगड़ रहा है।
- हमें संवेदनशील बनकर प्रकृति और जीवों की रक्षा करनी चाहिए।

प्रश्न 2. लेखक की माँ की सीखों का उल्लेख कीजिए और बताइए कि वे आज कितनी प्रासंगिक हैं।

- सूरज ढलने पर पत्ते न तोड़ें, पेड़ रोते हैं।
- दीया-बत्ती के समय फूल न तोड़ें।
- दरिया को सलाम करें; कबूतरों और मुर्गों को न सताएँ।
- कबूतर का अंडा टूटने पर माँ ने रोज़ा रखकर प्रायश्चित्त किया।
- ये सीखें आज के पर्यावरण संकट में प्रकृति के प्रति संवेदना जगाने के लिए बहुत प्रासंगिक हैं।

प्रश्न 3. मनुष्य द्वारा प्रकृति के साथ की जा रही छेड़छाड़ के दुष्परिणाम बताइए।

- जंगल कटने से पशु-पक्षी बेघर हो गए।
- समुद्र को पीछे धकेलने से उसका प्रकोप बढ़ा (जहाज़ों वाला प्रसंग)।
- बढ़ती गर्मी और मौसम चक्र में बदलाव।
- बाढ़, भूकंप और तूफ़ान जैसी आपदाएँ।
- नई बीमारियाँ और मानव जीवन पर संकट।

बहुविकल्पीय प्रश्न (MCQs with Answers)

1. पाठ के लेखक हैं

(क) निदा फ़ाज़ली (ख) प्रहलाद अग्रवाल (ग) रवींद्र केलेकर (घ) हबीब तनवीर

उत्तर: (क) निदा फ़ाज़ली

2. पशु-पक्षियों की भाषा कौन समझते थे?

(क) नूह (ख) सुलेमान (ग) शेख अयाज़ (घ) लेखक

उत्तर: (ख) सुलेमान

3. शेख अयाज़ के पिता ने भोजन क्यों छोड़ा?

(क) भूख नहीं थी (ख) च्योंटे को घर पहुँचाने (ग) नमाज़ के लिए (घ) मेहमान आए

उत्तर: (ख) च्योंटे को घर पहुँचाने

4. नूह का असली नाम था

(क) लशकर (ख) सुलेमान (ग) अयाज़ (घ) मुहम्मद

उत्तर: (क) लशकर

5. नूह ने किसे दुत्कारा था?

(क) बिल्ली (ख) घायल कुत्ता (ग) कबूतर (घ) चींटी

उत्तर: (ख) घायल कुत्ता

6. लेखक का घर मुंबई के किस क्षेत्र में था?

(क) वर्ली (ख) वर्सोवा (ग) बांद्रा (घ) कोलाबा

उत्तर: (ख) वर्सोवा

7. लेखक की माँ ने अंडा टूटने पर क्या किया?

(क) रोईं (ख) रोज़ा रखा (ग) कबूतर भगाए (घ) सो गईं

उत्तर: (ख) रोज़ा रखा

8. लेखक की पत्नी ने कबूतरों के लिए क्या किया?

(क) दाना डाला (ख) खिड़की पर जाली लगवाई (ग) घोंसला बनाया (घ) पानी रखा

उत्तर: (ख) खिड़की पर जाली लगवाई

9. निदा फ़ाज़ली को साहित्य अकादमी पुरस्कार किस रचना पर मिला?

(क) लफ़्ज़ों का पुल (ख) खोया हुआ सा कुछ (ग) मोर नाच (घ) दीवारों के बीच

उत्तर: (ख) खोया हुआ सा कुछ

10. पाठ का मूल संदेश है

(क) शहरीकरण (ख) प्रकृति और जीवों के प्रति संवेदना (ग) व्यापार (घ) धार्मिक कर्मकांड

उत्तर: (ख) प्रकृति और जीवों के प्रति संवेदना

त्वरित पुनरावृत्ति (Quick Revision)

- लेखक: निदा फ़ाज़ली (1938–2016), दिल्ली; बचपन ग्वालियर; खोया हुआ सा कुछ (साहित्य अकादमी)।
- सुलेमान: पशु-पक्षियों की भाषा; चींटियों के लिए रास्ता बदला।
- शेख अयाज़ के पिता: च्योंटे को घर लौटाया।
- नूह (लशकर): कुत्ते को दुत्कारा, जीवन भर रोए।

- वर्सोवा; समुद्र ने तीन जहाज़ फेंके।
- माँ की सीख; अंडा टूटने पर रोज़ा; कबूतरों पर जाली।

सारांश (Summary)

निदा फ़ाज़ली बताते हैं कि धरती सभी जीवों की है। सुलेमान ने चींटियों के लिए सेना का रास्ता बदला, शेख अयाज़ के पिता ने एक च्योंटे को उसके घर लौटाने के लिए भोजन छोड़ दिया और नूह एक कुत्ते को दुत्कारने के पश्चाताप में जीवन भर रोते रहे। लेखक की माँ भी पेड़-पौधों और पक्षियों के प्रति गहरी संवेदना रखती थीं।

आज मनुष्य ने जंगल काटकर, समुद्र को पीछे धकेलकर इमारतें बना ली हैं, जिससे प्रकृति का संतुलन बिगड़ा है और आपदाएँ बढ़ी हैं। लेखक के फ़्लैट में घोंसला बनाने वाले कबूतरों के लिए खिड़की पर जाली लगा दी गई – अब दूसरों के दुख से दुखी होने वाले लोग नहीं रहे।

परीक्षा टिप्स (Exam Tips)

- प्रसंग-संदेश तालिका से सभी प्रसंग जल्दी याद होंगे।
- नूह नाम पड़ने का कारण अवश्य याद करें।
- माँ की सीखों को क्रम से लिखें।
- प्रकृति-असंतुलन के परिणाम पर दीर्घ उत्तर तैयार रखें।
- पहले और आज के मनुष्य की तुलना उत्तर को प्रभावी बनाती है।

अक्सर पूछे जाने वाले प्रश्न (FAQs)

इस पाठ का मुख्य संदेश क्या है?

धरती सभी जीवों की है; प्रकृति और जीवों के प्रति संवेदनशील बनें।

क्या यह पाठ 2026-27 सिलेबस में है?

हाँ, यह CBSE हिंदी B की पाठ्यपुस्तक स्पर्श भाग 2 में है।

क्या इन नोट्स का PDF मिलेगा?

हाँ, ऊपर दिए लिंक से बिना साइनअप मुफ़्त PDF डाउनलोड करें।

निष्कर्ष (Conclusion)

यह पाठ बढ़ती संवेदनहीनता और पर्यावरण संकट पर गहरी चोट करता है। प्रसंग तालिका और तुलना दोहराकर इस पाठ में पूरे अंक पाएँ।

और नोट्स (More Notes): Class 10 Hindi Sparsh Chapter 11: तीसरी कसम के शिल्पकार शैलेंद्र notes | Class 10 Hindi Sparsh Chapter 13: पतझर में टूटी पत्तियाँ notes | All Class 10 Hindi notes

लेखक परिचय (Author Bio): ये नोट्स Nextoper Editorial Team ने तैयार और जाँचे हैं – CBSE हिंदी शिक्षकों का समूह, जो NCERT पाठ्यपुस्तक और पिछले बोर्ड प्रश्नपत्रों के पैटर्न के आधार पर पाठ-वार नोट्स बनाते हैं।

अद्यतन जानकारी (Freshness Note): ये नोट्स NCERT कक्षा 10 की हिंदी पाठ्यपुस्तक स्पर्श भाग 2 (Reprint 2026-27, CBSE Hindi B) और 2026-27 सत्र के CBSE पाठ्यक्रम पर आधारित हैं। अंतिम जाँच: 10 नवंबर 2026।